SUNDAY | 13.04.2025 | उत्तर प्रदेश

अमर उजाला

बरेली

Page No:07 Middle

चयापचय विकारों से होता है समय पूर्व प्रसव व बड़े आकार के शिशु का जन्म

कॉन्फ्रेंस में मौजूद पद्मश्री डॉ. अलका देशपांडेय व अन्य महिला फिजिशियन। स्रोत : संस्थान

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। गर्भवती अगर मेटाबॉलिक डिसऑर्डर (चयापचय विकार) से पीड़ित है तो बड़े आकार के शिशु का जन्म, समय पूर्व प्रसव, प्रीएक्लेम्पसिया जैसी जटिलताएं हो सकती है। बचाव के लिए वजन कम करें। बीपी, शुगर नियंत्रित रखें। लिपिड प्रोफाइल सामान्य रखने के लिए कार्बोहाइड्रेट का सेवन कम करें।

साथ ही, ज्यादा प्रोटीन वाले आहार भोजन में शामिल करें। शारीरिक गतिविधि बनाएं रखने वाली गर्भवती के मेटाबॉलिक डिसॉर्डर की चपेट में आने की आशंका कम होती है।

ये जानकारी एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में आयोजित वूमन फिजिशियंस ऑफ इंडिया की पहली कॉन्फ्रेंस के दौरान

वूमन फिजिशियंस ऑफ इंडिया की पहली कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

विशेषज्ञ महिला चिकित्सकों ने अपने-अपने व्याख्यान में साझा की। इसमें डॉ. प्रेरणा कपूर (लखनऊ), मंजू पांडेय (मथुरा), डॉ. मनीषा गुप्ता (मोहाली), डॉ. हिना सिंह (मेरठ), डॉ. गुंजन मित्तल (नोएडा) शामिल रहीं।

पद्मश्री से नवाजी गई देश की पहली महिला फिजिशियन डॉ. अलका देशपांडेय भी मौजूद रहीं। जम्मू की डॉ. अनुपमा प्रसूता, डॉ. अनामिका सावंत, मुंबई की डॉ. अश्वनी पाटिल, डॉ. स्नेहलता वर्मा ने भी विषयवार विचार साझा किए।

मेडिकल उपकरणों को लेकर भी साझा की जानकारी

बरेली। वूमन फिजिशियंस ऑफ इंडिया की पहली कॉन्फ्रेंस में आईं बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर की डॉ. माधवी सरकार ने 2डी-इकोकार्डियोग्राफी, लखनऊ की डॉ. आनंदिता सेठ, एसआरएमएस आईएमएस के डॉ. योगेश चेट्टी ने पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड, डॉ. दीपक दास ने कंटीन्यूअस ग्लूकोज मॉनिटरिंग, एंबुलटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग, नवी मुंबई की ऋतु दास चौधरी ने वित्तीय प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। इस दौरान आयोजन सचिव एवं एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग की एचओडी डॉ. स्मिता गुप्ता मौजूद रहीं। ब्यूरो